1. ऊँचा सदा रहेगा

हिन्द देश का प्यारा झंडा, ऊँचा सदा रहेगा।
ऊँचा सदा रहेगा, ऊँचा सदा रहेगा।।

केसरिया बल भरनेवाला, सादा है सच्चाई।
हरा रंग है हरी हमारी धरती की अँगड़ाई।।
कहता है यह चक्र हमारा, कदम न कभी रुकेगा।
हिन्द देश का प्यारा झंडा, ऊँचा सदा रहेगा।।

शान हमारी यह झंडा है, यह अरमान हमारा।
यह बल-पौरुष है सदियों का, यह बलिदान हमारा।।
जीवन-दीप बनेगा, यह अँधियारा दूर करेगा।
हिन्द देश का प्यारा झंडा, ऊँचा सदा रहेगा।।

नहीं चाहते, इस दुनिया में अपना राज्य जमाना।
नहीं चाहते, औरों के मुँह की रोटी खा जाना।।
सत्य न्याय के लिए हमारा लोहू सदा बहेगा।
हिन्द देश का प्यारा झंडा, ऊँचा सदा रहेगा।।

आसमान में फहराये, यह सागर में लहराये।
जहाँ-जहाँ यह जाये झंडा, यह संदेश सुनाये—
है आजाद हिन्द, यह दुनिया को आजाद करेगा।
हिन्द देश का प्यारा झंडा, ऊँचा सदा रहेगा।।

—रामदयाल पांडेय

Scanned by CamScanner

• शब्दार्थ •

केसरिया = केसर के रंग का
अरमान = लालसा, इच्छा
पौरुष = पुरुष की शक्ति, पराक्रम
सदियों का = सैकड़ों वर्षों का
अँगड़ाई = अँगड़ाने की क्रिया, जँभाई के साथ अंगों को तानना
औरों के = दूसरों के
चक्र = चक्का, पहिया

Scanned by CamScanner

८ कार्तिक शुक्ल सोमवार २०७६
अष्टमी अहोरात्र
Hizri - 6 Rabi-ul-awwal 1441
४ नवम्बर २०१९
Sunrise - 5.45 A.M.

NOVEMBER
04
MONDAY

१७ कार्त्तिक सोमवार १४२६
अष्टमी अहोरात्र
Saka - 13 Kartick 1941
अहम - १७ कार्ति १४२६
Sunset - 4.54 P.M.

Inside

तुकांत शब्द

1) सच्चाई - अंगड़ाई
2) रुकेगा - करेगा
3) अरमान - बलिदान
4) रहेगा - बहेगा
5) लहराये - सुनाये

वाक्य बनाओ

1) देश -
2) आसमान -
3) झंडा -

Scanned by CamScanner

KRISHNAGAR ACADEMY

Date- 04/06/20

Sub - Hindi Reader

Class- IV

Chapter- 1

(कविता) ऊँचा सदा रहेगा

कवि ⇒ श्री रामदयाल पांडेय

कवि - परिचय

जन्म :- सन् 1915 ई॰ में

स्थान :- बिहार के शाहाबाद जिले में शाहाबाद पट्टि गाँव में हुआ था।

साहित्य परिचय :- कवि रामदयाल पांडेय जी राष्ट्र भाव के महान कवि थे।

प्रमुख पुस्तकें :- मन्वन्तर, नवोदय, पुस्तकालय, परिषद पत्रिका इत्यादि।

मृत्यु :- 87 वर्ष में (2002) में दी दी गई।

Scanned by CamScanner